अण्डमान निकोबार
द्वीप समाचार

संख्या 228 श्री विजय पुरम, शुक्रवार, 22 अगस्त 2025 web: www. andam

बकरीपालन के लिए उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम

श्री विजय पुरम, 21 अगस्त।

द्वीप प्रशासन का पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवा विभाग, केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान के साथ प्रौद्योगिकी भागीदार के रूप में, 18 और 19 अगस्त, 2025 को यहां के क्यारी परिसर में बकरियों में कृत्रिम गर्भाधान पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस पहल का उद्देश्य उन्नत प्रजनन तकनीकों के माध्यम से बकरी पालन की उत्पादकता बढ़ाना और ग्रामीण आजीविका का समर्थन करना था।

प्रशिक्षण का नेतृत्व क्यारी के पशु विज्ञान प्रभाग से डॉ. टी. पेरुमल, वरिष्ठ वैज्ञानिक (पशु प्रजनन) और डॉ. प्रकाश बाला, प्रधान वैज्ञानिक (पोषण) ने किया। उद्घाटन सत्र के दौरान केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान निदेशक डॉ. एकनाथ बी. चाकुरकर ने पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवा विभाग की पहल की सराहना की और प्रतिभागियों से बकरी किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए क्षेत्र में एआई (कृत्रिम गर्भाधान) तकनीकों को लागू करने का आग्रह किया। पहले दिन, नौ वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारियों ने भाग लिया, इसके बाद दूसरे दिन 29 पशु चिकित्सा कंपाउंडरों ने भाग लिया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रतिभागियों को क्यारी बकरी फार्म में व्यावहारिक प्रदर्शन के साथ, बकरियों से वीर्य संग्रह और बकरियों में गर्भाधान में व्यावहारिक प्रशिक्षण मिला। प्रशिक्षण का समापन प्रयोगशाला दौरे के साथ हुआ, जहां गुणवत्ता नियंत्रण और गर्भाधान के लिए वीर्य की तैयारी का प्रदर्शन किया गया। इन सत्रों ने अधिकारियों और अर्ध–पशु चिकित्सा कर्मचारियों को एआई को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस किया। पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवा विभाग एआई के माध्यम से स्थानीय किस्मों को उन्नत करने के लिए बीटल और सिरोही जैसी बेहतर बकरी नस्लों के वीर्य स्ट्रॉज खरीदने की योजना बना रहा है। यह प्रयास केंद्र शासित प्रदेश में बकरी विकास को बढ़ाने, मांस और दूध उत्पादन को बढ़ावा देने और ग्रामीण और जनजातीय समुदायों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति में सुधार करने के लिए विभाग की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।